माननीय लोक सभा अध्यक्ष द्वारा वियतनाम के संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में दिए गए रात्रि भोज में भाषण

वियतनाम की नेशनल असेंबली के चेयरमैन महामहिम श्री वुअंग दिंग हुए जी,

वियतनाम के उपप्रधानमंत्री श्री ले मिन्ह खाई जी,

नेशनल असेम्बली के सचिव श्री बुई वान कुओंग जी,

विदेशी मामलों संबंधी समिति के सभापति श्री वु हाई हा जी,

डिप्टी अफेयर्स समिति की सभापति सुश्री नगुयेन थी थान्ह जी,

माननीय मंत्री श्री डाओ न्गोक डुंग जी,

माननीय मंत्री श्री त्रान होंग हा जी,

माननीय मंत्री श्री नगुयेन मान्ह हुंग जी,

माननीय मंत्री श्री नगुयेन वान हुंग जी,

शिष्टमंडल के अन्य माननीय सदस्यगण,

हमारे माननीय मंत्रिगण एवं सांसदगण,

अन्य गणमान्य अतिथिगण,

उपस्थित देवियो और सज्जनो,

आप सभी को नमस्कार।

1. मैं रात्रि भोज में वियतनाम नेशनल असेंबली के माननीय स्पीकर महामहिम 'डॉ. वुअंग दिंग हुए', वियतनाम के माननीय मंत्रिगणों और शिष्टमंडल के सभी सदस्यों का अभिनंदन करता हूं, स्वागत करता हूं। हमारे लिए यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि इस शिष्टमंडल का नेतृत्व 'डॉ. वुअंग दिंग हुए' कर रहे हैं, जो वियतनाम के सबसे वरिष्ठ एवं अनुभवी राजनेताओं में से एक हैं।

2. वियतनाम के वित्त मंत्री तथा उपप्रधानमंत्री के रूप में देश को अपनी सेवाएं लंबे समय तक दी हैं। आपके व्यापक राजनैतिक एवं प्रशासनिक अनुभवों के कारण आपको वियतनाम के भावी प्रधानमंत्री के रूप में भी देखा जाता है।

3. भारत और वियतनाम के बीच दीर्घ काल से मधुर और मित्रवत संबंध रहे हैं। हमारे साझे सांस्कृतिक संबंधों के कारण हमारे द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए हैं।

4. भारत और वियतनाम दोनों लोकतांत्रिक देश हैं। हमारे दोनों देशों के बीच विभिन्न वैश्विक विषयों पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग की एक लंबी परंपरा रही है। दोनों देशों के बीच आर्थिक और राजनीतिक संबंधों में व्यापक विस्तार भी हुआ है।

5. आपके देश में भारतीय समुदाय की एक बड़ी संख्या है जो, वहां के आर्थिक और व्यापारिक विकास एवं समृद्धि में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। मैं चाहता हूं कि दोनों देशों के बीच जिस प्रकार संसदीय संबंध मजबूत हो रहे हैं, उसी प्रकार हमारे व्यापारिक और औद्योगिक संबंध भी भविष्य में और मजबूत हों।

6. आपके साथ शिष्टमंडल में व्यापारिक और कई कंपनियों के प्रतिनिधि भी आए हैं। मुझे आशा है कि वे हमारे देश के विभिन्न औद्योगिक एवं वाणिज्यिक कंपनियों के साथ आपसी सहयोग को बढ़ाने के विषय पर व्यापक चर्चा और संवाद भी करेंगे ताकि दोनों देश अपनी क्षमताओं और संभावनाओं का पूरा लाभ उठा सकें।

7. वियतनाम में बौद्ध धर्म और संस्कृति के मानने वालों की अधिकतम संख्या है। बोधगया भगवान बुद्ध की आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्ति की स्थली है। मेरी कामना है कि भगवान बुद्ध की ज्ञान स्थली बोधगया की आपकी यात्रा आध्यात्मिक और धार्मिक रूप से अत्यधिक उपयोगी सिद्ध हो।

8. भारत की आईटी नगरी बेंगलुरू की भी आपकी यात्रा होगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपकी इस यात्रा से भारत और वियतनाम के बीच सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में परस्पर सहयोग का और विस्तार होगा।

9. हमारे बीच रात्रि भोज में भारत सरकार के मंत्रिगण, संसद में सभी दलों के माननीय सदस्यगण आए हैं, मैं उनका भी स्वागत करता हूं।

10. इस रात्रि भोज में हमारे और आपके बीच informal dialogue से हमारे संसदीय संबंधों को और मजबूती मिलेगी। हमारे डेमोक्रेटिक मूल्यों तथा आपसी हित के अन्य विषयों पर हम अपने विचार साझा करेंगे, जिससे दोनों देशों के बीच संबंध और सशक्त होंगे।

11. मैं पुनः इस रात्रि भोज के अवसर पर आप सभी का स्वागत करता हूं, अभिनंदन करता हूं। धन्यवाद।